R.N.I. No. 51097/90 DN/XXX/2024-2026 Post AD No.8

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

The railway is the great artery of commerce, connecting cities, cultures, and people with every journey.

Trains are the lifelines of nations, bridging distances and weaving the fabric of connectivity.

वर्ष-34 अंक-13 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 01-15 जुलाई 2024 पृष्ठ 08 मूल्य:20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

Indian Railways to Deploy Kavach System on 44,000 kms of Tracks in Next 5 Years

RSB Report- In a significant move to enhance rail safety, Indian Railways plans to deploy the Kavach system across 44,000 km of tracks over the next five years. Following a recent rail accident in West Bengal, Railway Minister Ashwini Vaishnaw has instructed officials to expedite the deployment of this automatic train protection system. Designed to prevent collisions, Kavach will be installed on all locomotives as soon as the latest version, Kavach 4.0, is ready.

- *Currently, three manufacturers produce the Kavach system, with more in development.*
- *The Indian Railways is actively installing Kavach on the Delhi-Mumbai and Delhi-Howrah routes.*
- *A tender for an additional 6,000 km of tracks is expected by the end of the year.*

Globally, most major railway systems adopted automatic train protection systems in the 1980s. Indian Railways began this journey in 2016 with the approval of the Train Collision Avoidance System (TCAS), achieving the highest safety certification, SIL-4, in 2019. The Research Design & Standards Organisation (RDSO), in collaboration with three companies, developed Kavach, which was approved as the national ATP system in 2020. This mission-mode project aims to significantly enhance the safety and reliability of India's rail network.

Sh. Ravneet Singh Reviews Railway Projects in Ferozepur Division

RSB Report- On June 23, 2024, Sh. Ravneet Singh, Union Minister of State for Railways, met with the Divisional Railway Manager and other officials of the Ferozepur Division. During the meeting, he reviewed the progress of current railway projects within the division. The minister emphasized the importance of timely completion & adherence to safety standards. The officials provided updates on various ongoing initiatives, highlighting improvements in infrastructure & passenger amenities. Sh. Singh's visit underscores the government's commitment to enhancing the railway network and ensuring efficient service delivery to passengers in the region.

Railways Conducts Trial Run on World's Highest Rail Bridge in J&K

RSB Report-Indian Railways achieved a historic milestone on June 20 with the successful trial run of an eight-coach MEMU train on the world's highest railway bridge — the Chenab Bridge — in Jammu and Kashmir. This trial, which saw the train cross the iconic bridge between Dugga and Bakkal stations, marks a significant step towards launching rail service from Reasi to Baramulla in Kashmir. The Railway Ministry stated that senior officers from the Railway Board, Northern Railway, and Konkan Railway conducted an extensive inspection of the newly constructed Chenab Bridge before the trial run. The trial covered a 46-km-long electrified section between Sangaldan in Ramban district and Reasi, with the train running at a speed of 40 kmph. The stations of Reasi, Bakkal, Dugga, and Sawlakote, all located in Reasi district, are now connected by this remarkable engineering feat. The electrification work on this section was completed using state-of-the-art technology, including the Rigid Overhead Conductor System (ROCS) at 25 kV, a first for Indian Railways.

Upon the train's arrival at Reasi railway station, a large crowd gathered to witness the historic event, chanting 'Bharat Mata ki Jai.' This successful trial paves the way for regular rail services in the region, promising enhanced connectivity and development for Jammu and Kashmir.

Ashwini Vaishnaw Reviews Rail Amenities and Safety Features with Top Officials

RSB Report- Railway Minister Sh. Ashwini Vaishnaw led a comprehensive review meeting on June 24 at Rail Bhawan, focusing on enhancing passenger amenities and safety measures across the Indian Railways network. Joined by key officials including Railway Board Chairperson and CEO Smt. Jaya Varma Sinha, Member Infrastructure Sh. Anil Kumar Khandelwal, and senior managers from all railway zones, the meeting addressed critical aspects of passenger safety and comfort. Key decisions emerged from the meeting, prioritizing the maintenance of safety equipment on trains, upgrading food quality in IRCTC operated base kitchens at 1,000 locations, and implementing rigorous cleaning protocols for trains and stations. Officials highlighted plans to

conduct workshops with manufacturers to ensure the reliability of safety equipment and to integrate enhanced cleaning and watering facilities into train schedules. "To improve water availability and cleanliness during journeys, cleaning and watering facilities will be expanded," stated a senior official. The decisions underscore Indian Railways' commitment to improving passenger experience & safety standards, reflecting ongoing efforts to meet the evolving needs of millions of travellers across the country.

कर्मचारी पेंशन योजना 1995 में संशोधन किया गया है, जिससे 6 महीने से कम सेवा वाले सदस्यों को निकासी का लाभ प्रदान किया जा सके, संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ मिलेगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस), 1995 में संशोधन किया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि 6 महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्यों को भी निकासी लाभ मिल सके। इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ प्राप्त होगा जो 6 महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने तालिका डी को संशोधित किया है और यह सुनिश्चित किया है कि सदस्यों को आनुपातिक निकासी लाभ देने के लिए सेवा के प्रत्येक पूरे महीने को ध्यान में रखा जाए। निकासी लाभ की राशि अब सदस्य द्वारा दी गई सेवा के पूरे महीनों की संख्या और उस वेतन पर निर्भर करेगी जिस पर कर्मचारी पेंशन योजना का अंशदान प्राप्त हुआ था। उपर्युक्त उपाय ने सदस्यों को निकासी लाभ के भुगतान को युक्तिसंगत बनाया है। अनुमान है कि प्रत्येक वर्ष 23 लाख से अधिक सदस्य तालिका डी के इस संशोधन से लाभान्वित होंगे। प्रत्येक वर्ष पेंशन योजना 95 के लाखों कर्मचारी सदस्य पेंशन के लिए आवश्यक 10 वर्ष की अंशदायी सेवा देने से पहले ही योजना छोड़ देते हैं। ऐसे सदस्यों को योजना के प्रावधानों के अनुसार निकासी का लाभ दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 30 लाख से अधिक निकासी लाभ के दावों का निपटारा किया गया। अब तक, निकासी लाभ की गणना पूर्ण वर्षों में अंशदायी सेवा की अवधि और उस वेतन के आधार पर की जा रही थी, जिस पर कर्मचारी पेंशन योजना के अंशदान का भुगतान किया गया है। इसलिए, अंशदायी सेवा के 6 महीने और उससे अधिक का समय पूरा करने के बाद ही सदस्य ऐसे निकासी लाभ के लिए पात्र होते थे। परिणामस्वरूप, 6 महीने या उससे अधिक समय तक अंशदान करने से पहले योजना छोड़ने वाले सदस्यों को कोई निकासी लाभ नहीं मिलता था। यह कई दावों के खारिज होने और शिकायतों का कारण था क्योंकि कई सदस्य 6 महीने से कम की अंशदायी सेवा किए बिना ही योजना छोड़ रहे थे। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, 6 महीने से कम की अंशदायी सेवा के कारण निकासी लाभ के लगभग 7 लाख दावे खारिज कर दिए गए। इसके संशोधन बाद, ऐसे सभी कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्य जो 14.06.2024 तक 58 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर पाए हैं, वे निकासी लाभ के पात्र हो जाएंगे। इससे पहले, पूर्ववर्ती तालिका डी के अंतर्गत गणना में प्रत्येक पूर्ण वर्ष के बाद 6 महीने से कम समय के लिए की गई सेवा की आंशिक अवधि को नजर अंदाज कर दिया गया था। इसके परिणामस्वरूप कई मामलों में निकासी लाभ की कम राशि प्राप्त हुई। तालिका डी के संशोधन के साथ, निकासी लाभ की गणना के लिए अंशदायी सेवा को अब पूर्ण महीनों में माना जाएगा। इससे निकासी लाभ का उचित भुगतान सुनिश्चित होगा। उदाहरण के लिए, 2 वर्ष और 5 महीने की अंशदायी सेवा और 15,000/- प्रति माह वेतन के बाद निकासी लाभ लेने वाला सदस्य पहले 29,850/- रुपये की निकासी लाभ का हकदार था। अब उसे 36,000/- रुपये का निकासी लाभ प्राप्त होगा।

रेलवे द्वारा मेल और एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाने की योजना।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल प्रशासन अपने यात्रियों की सुविधाओं मे उतरोत्तर वृद्धि हेतु सदैव तत्पर रहता है। इसी क्रम में मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में सामान्य श्रेणी कोच (जनरल कोच) की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 2500 सामान्य कोच का अतिरिक्त उत्पादन करने का फैसला किया गया है। इससे सामान्य कोचों में अतिरिक्त 18 करोड़ से अधिक यात्री सालाना यात्रा कर सकेंगे। ये कोच रेलवे के प्रति वर्ष कोच उत्पादन के अतिरिक्त होंगे। सामान्यतः एक्सप्रेस व सुपरफास्ट ट्रेनों में जनरल कोच दो से चार के बीच में होते हैं। योजना के मुताबिक जिन ट्रेनों में दो कोच हैं, उनमें इनकी संख्या बढ़ाकर चार कर दी जाएगी। रेलवे ने पिछले एक दशक में कोच उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष में 2014-15 में 555 एलएचबी कोच का उत्पादन किया गया। जबकि 2023-24 में 7,151 कोच का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8692 कोच उत्पादन किया जाएगा। जिसमें 50 अमृत भारत ट्रेन (पुल-पुश तकनीक) के लिए कोच बनेंगे। वंदे भारत ट्रेन के लिए 1600 कोचों का उत्पादन किया जाएगा। इस प्रकार दो कोच के हिसाब से मेल में 1250 और एक्सप्रेस ट्रेन में 2500 कोच लगाए जाएंगे। जिससे सामान्य कोचों में अतिरिक्त 18 करोड़ 25 लाख से अधिक यात्री ले जाने की सालाना क्षमता हो जाएगी। यह सभी कोच चालू वित्तीय वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे।

अखिल भारतीय स्तर की रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार प्रतियोगिता हो रही आयोजित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत का हर नागरिक अपने जीवनकाल में सैकड़ों बार रेल से सफर करता है और रेल यात्राओं की सुखद अनुभूतियाँ उनके जेहन में रची बसी रहती हैं। रेल यात्रा की इन्हीं मधुर स्मृतियों को अब आप लिखकर पुरस्कार भी जीत सकते हैं। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा रेलकर्मियों सहित सभी भारतीयों के लिए अखिल रेलवे स्तर पर रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देना भी है। इस योजना के विजेताओं को नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अन्तर्गत एक प्रथम पुरस्कार रूपये **10,000/-**, एक द्वितीय पुरस्कार **रूपये 8000/-**, के अलावा एक तृतीय पुरस्कार **रूपये 6000/-** प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा पाँच प्रेरणा पुरस्कार जिसमें प्रत्येक को **4000/-** रूपए प्रदान किये जाएंगे।

प्रतिभागियों के लिए ध्यान देने योग्य कुछ प्रमुख बिन्दु:

- रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में एवं मौलिक होना चाहिए।
- न्यूनतम 3000 शब्द तथा अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए।
- रेल यात्रा वृत्तांत डबल स्पेस में टाइप किया तथा जिसके चारों तरफ एक इंच का हाशिया होना चाहिए।
- पृष्ठ क्रमानुसार अंकित होने चाहिए।
- वृत्तॉत के प्रारंभ में कागज की एक पूरी शीट पर बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/निवास का पता, मात भाषा, मोबाईल नं., ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की कुल संख्या आदि उल्लेखित होना चाहिए।

इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है। जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं इन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही ये किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों की घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि ''सम्बंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।'' पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क विभाग ने बताया गया कि प्रतिभागी अपनी प्रवष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई 2024 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण) कमरा नं. 316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आरटीओ, नई दिल्ली- 110002 को निरपवाद रूप से भेज दें।

रणथम्भौर एक्सप्रेस का भगत की कोठी स्टेशन तक विस्तार की अवधि बढ़ी।

सूत्र/रे.स. ब्यू- रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 12465/12466 इंदौर-जोधपुर-इंदौर रणथम्भौर एक्सप्रेस कोटा होकर प्रतिदिन रेलसेवा का भगत की कोठी तक अस्थाई विस्तार अवधि को बढ़ाकर आगामी 30 सितम्बर, 2024 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 12465, इंदौर-जोधपुर रणथम्भौर एक्सप्रेस प्रतिदिन इंदौर से सुबह 06.00 बजे प्रस्थान कर भगत की कोठी रात 10.20 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12466, जोधपुर-इंदौर रणथम्भौर एक्सप्रेस भगत की कोठी से सुबह 04.40 बजे प्रस्थान कर रात 09.15 बजे इंदौर पहुँचेगी। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए उक्त ट्रेन के विस्तारित अवधि की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑन- लाइन प्राप्त कर यात्रा कर सकते है।

महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश द्वारा बरौनी जं. का निरीक्षण एवं ''मशीनीकृत लॉन्ड्री'' का किया गया शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश द्वारा दिनांक 29.06.2024 को बरौनी जं. का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर श्री विवेक भूषण सूद तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बरौनी यार्ड के रिमॉडलिंग एवं फेजवर्क पर विचार-विमर्श किए तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए । निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा बरौनी स्थित सम्मिलित क्रू लॉबी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित लोको पायलट एवं गार्ड से संरक्षा से जुड़े विविध पहलुओं की जानकारी से अवगत हुए। उन्होंने उपस्थित रनिंग स्टाफ से सुझाव भी लिए तथा सबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके उपरांत महाप्रबंधक महोदय द्वारा बरौनी इलेक्ट्रिक लोको शेड का निरीक्षण किया गया। उन्होंने इस दौरान लोकोमोटिव के रख-रखाव एवं मरम्मत कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी ली तथा संरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत महाप्रबंधक महोदय द्वारा नवनिर्मित न्यूमेटिक टेस्ट लैब का शुभारंभ किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी के बने योग परिधानों और मैट की बंपर बिक्री

सूत्र/रे.स.ब्यू- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों खादी के कारीगरों के लिए विशेष प्रसन्नता लेकर आया। 21 जून को मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश भर में 55 खादी संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को 8,67,87,380 रुपये मूल्य के 1,09,022 योग-मैट और 63,700 योग परिधानों की बिक्री की। आंकड़े जारी करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'ब्रांड पावर' ने योग के साथ-साथ खादी की भारतीय विरासत को भी लोकप्रिय बना दिया है। खादी परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि इस बार हमारे खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए विशेष योग परिधानों और चटाईयों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनगर में और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने अहमदाबाद में खादी के योग परिधान पहनकर योग किया। यह खादी कारीगरों के लिए गर्व की बात है। आयुष मंत्रालय के अलावा केवीआईसी ने मुख्य रूप से मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर और पंचकूला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, ओएनजीसी और नाल्को को योगाभ्यास के लिए खादी से बने योग परिधानों और योग-मैट की आपूर्ति की। कुल 8,67,87,380 रुपये की आपूर्ति में खादी योग परिधानों की बिक्री 3,86,65,900 रुपये और मैट की बिक्री 4,81,21,480 रुपये रही। मांग के अनुसार केवीआईसी ने आपूर्ति के लिए देश भर की खादी संस्थाओं को पहले ही सूचित कर दिया था, जिसमें गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली की 55 संस्थाएं शामिल थीं। इससे खादी संस्थाओं से जुड़े कताई करने वालों, बुनकरों और खादी श्रमिकों को अतिरिक्त मजदूरी के साथ-साथ रोजगार के अतिरिक्त अवसर भी मिले।

साइलो के प्रयोग से पर्यावरण अनुकूल कोयला परिवहन को बढ़ावा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन की दिशा में अहम कदम उठाते हुए धनबाद मंडल में कोयला की लोडिंग के लिए कोल साइडिंगों पर साइलो संयंत्र लगाए गए हैं। इससे प्रदूषण मुक्त कोयला परिवहन को बढ़ावा देने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है । वर्तमान में धनबाद मंडल के अंतर्गत दुधीचुआ, जयंत, बीना, गोरबी, राजधार, नॉर्थ उड़ीमारी तथा केआरएसएल कोल साइडिंग पर साइलो संयंत्र से कोयले की लोडिंग की जा रही है। इन साइलो से प्रतिदिन औसतन 24 रेक कोयले की लोडिंग की जा रही है। निकट भविष्य में इसमें वृद्धि करते हुए केडीएच, बानाडाग और निगाही कोल साइडिंग पर भी साइलो संयंत्र लगाए जाएंगे ।

विदित हो कि मालगाड़ी के डिब्बो में जब साइलो संयंत्र से कोयले को भरा जाता है तब धूल और प्रदूषण में काफी कमी आती है। नयी व्यवस्था के बाद कन्वेयर बेल्ट से पहले कोयले को ऊपर पहुंचाया जाता है फिर इसे वैगन में लोड किया जाता है जिससे मालगाड़ी के बगल में खड़े व्यक्ति को भी धूल और प्रदूषण की शिकायत नहीं होती है। साइलो द्वारा कोयला लोड करते वक्त कर्मचारियों की सेफ्टी का भी काफी ध्यान रखा जाता है। कोयला लदान के लिए इसे बेहद सुरक्षित माना गया है। अब साइलो से लोडिंग होने से कोल डिस्पैच की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे ओवरलोडिंग नहीं होती है साथ ही समय की भी बचत होती है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपने टेलीकॉम वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम, 2018 के तहत अभिगम प्रदाताओं (एक्सेस प्रोवाइडर) को निर्देश जारी किए

सूत्र/रे.स.ब्यू - अवांछित वाणिज्यिक संचार (यूसीसी), जिसे आमतौर पर स्पैम कहा जाता है, की समस्या से निपटने के अपने जारी प्रयास में, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अभिगम प्रदाताओं (एक्सेस प्रोवाइडर) को यूसीसी संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और प्राथमिकता की सेटिंग के लिए अपने मोबाइल ऐप एवं वेब पोर्टल को उपयोगकर्ताओं के और अधिक अनुकूल बनाने का आदेश दिया है। ट्राई ने अभिगम प्रदाताओं (एक्सेस प्रोवाइडर) को यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया है कि यूसीसी संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और प्राथमिकता प्रबंधन के विकल्प अभिगम प्रदाताओं के मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइटों पर आसानी से उपलब्ध हों। इसके अलावा, यदि उपयोगकर्ता अपने कॉल लॉग और अन्य प्रासंगिक डेटा तक पहुंचने की अनुमति देते हैं, तो शिकायतों के पंजीकरण हेतु आवश्यक विवरण स्वचालित रूप से भरे जाने चाहिए। यूसीसी के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, ट्राई ने प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट के प्रारूपों (पीएमआर) में संशोधन को लागू किया है। अधिक विस्तृत निगरानी हेतु सभी अभिगम प्रदाताओं को, पिछले त्रैमासिक रिपोर्टिंग चक्र के उलट, मासिक आधार पर पीएमआर जमा करने की आवश्यकता होगी।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9793956044, 9935224867
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

प्रयागराज में उत्साह के साथ मनाया गया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सूत्र/रे स.ब्यू - प्रयागराज के धूमनगंज स्थित दुर्गा पूजा पार्क में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड एमेनिटीज एसोसिएशन और शिव योगालय द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती सुनीता सिंह, क्षेत्रीय मंत्री काशी श्री संतोष सिंह पटेल, मंडल अध्यक्ष श्री संजय केसरवानी और पूर्व पार्षद सरदार अमरजीत सिंह सहित कई सम्मानित अतिथि मौजूद रहे। योग प्रशिक्षक श्रीमती नैना सिंह और श्री आलोक कुमार ने सत्र का नेतृत्व किया और मार्गदर्शन प्रदान किया तथा दैनिक जीवन में योग के महत्व बताया । इस आयोजन ने एक सकारात्मक ऊर्जा और सामुदायिक भावना का संचार किया और छेत्रवासियों ने बड़े उत्साह के साथ विभिन्न योग अभ्यासों में भाग लिया तथा अपने जीवन के दैनिकचर्या में से कुछ समय योग के लिए भी निकालने का संकल्प लिया

आरपीएफ महानिदेशक ने विधिक संदर्भ के लिए एक व्यापक एप्लीकेशन- संज्ञान ऐप लॉन्च किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक श्री मनोज यादव ने मोबाइल एप्लिकेशन- संज्ञान ऐप को लॉन्च किया। इसे आरपीएफ की तकनीकी टीम ने डिजाइन और विकसित किया गया है, जिससे तीन नए आपराधिक अधिनियमों- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)- 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)- 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)- 2023 पर गहन जानकारी प्रदान की जा सके। संज्ञान ऐप एंड्रॉइड और आईओएस, दोनों में उपलब्ध है। इसका उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों को नए और पुराने आपराधिक अधिनियमों के प्रावधानों को समझने के लिए व्यापक जानकारी प्रदान करके शिक्षित व सशक्त बनाना है। इसके साथ ही आरपीएफ परिचालन के संदर्भ में इन नए अधिनियमों की प्रासंगिकता को रेखांकित करना है। इस ऐप में उपयोगकर्ता-अनुकूल नेविगेशन, खोज योग्य डेटाबेस और ऑफलाइन पहुंच की सुविधा है, जो इसे भारत में नवीनतम विधिक घटनाक्रमों के बारे में जानकारी रखने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक व्यावहारिक साधन बनाती है।

संज्ञान ऐप की मुख्य विशेषताएं:

व्यापक विधिक पहुंच: यह ऐप बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए-2023 के सभी प्रावधानों तक सुगम पहुंच प्रदान करता है, जो मोबाइल पर देखने के लिए अनुकूलित हैं। उपयोगकर्ता इन अधिनियों को आसानी से पढ़ सकते हैं, खोज सकते हैं और उनका संदर्भ ले सकते हैं।

कानूनों की तुलना: उपयोगकर्ता संगत धारा तुलना तालिका की सहायता से नए और पुराने कानूनों की विशिष्ट धाराओं की तुलना कर सकते हैं। यह सुविधा कानूनी ढांचे में बदलाव व निरंतरता को पहचानने और समझने में सहायता करती है।

धारावार विश्लेषण: बीएनएसएस और बीएनएस की प्रमुख धाराओं का विस्तार से विश्लेषण किया गया है। साथ ही, विभिन्न प्रावधानों और प्रक्रियात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए क्षेत्रीय परिचालनों में उनकी प्रयोज्यता पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्नत खोज उपकरण: संज्ञान उन्नत खोज कार्यक्षमताएं प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को विधिक ग्रंथों के माध्यम से कुशलतापूर्वक खोज करने की सुविधा प्राप्त होती है। उपयोगकर्ता धारा-वार, अध्याय-वार और विषय-वार खोज कर सकते हैं, जिससे प्रासंगिक जानकारी को शीघ्रता से ढूंढना आसान हो जाता है।

समावेशी कानूनी डेटाबेस: तीन नए कानूनों के अलावा इस ऐप में रेल सुरक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक अधिनियम और नियम भी शामिल हैं। इनमें रेल सुरक्षा बल अधिनियम- 1957, रेल अधिनियम-1989, रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम- 1966 और आरपीएफ नियम- 1987 शामिल हैं। यह व्यापक डेटाबेस सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं को रेल सुरक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण विधिक जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके।

उपयोगकर्ता- अनुकूल डिजाइन: संज्ञान ऐप को सटीकता और उपयोग में सुगमता के लिए डिजाइन किया गया, जिससे यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता महत्वपूर्ण विधिक जानकारी के साथ कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से जुड़ सकें, जिससे आरपीएफ परिचालन में अधिनियमों को लेकर उनकी समझ और उनके उपयोग में बढ़ोतरी हो सके।

इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक ने कर्मियों को विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए ई-बुक और प्रिंट, दोनों प्रारूपों में 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)- 2023 पर पुस्तिका' भी जारी की। यह पुस्तिका आरपीएफ के परिचालन में अधिनियम के व्यावहारिक अनुप्रयोग को रेखांकित करती है।

आरपीएफ महानिदेशक के अनुसार मोबाइल ऐप और पुस्तिका पारदर्शिता, पहुंच और महत्वपूर्ण विधिक जानकारी के प्रसार को लेकर आरपीएफ की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। संज्ञान ऐप कानूनी संसाधनों की सुलभता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होने के साथ परिचालन उत्कृष्टता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की आरपीएफ की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस संबंध में अधिक जानकारी और ऐप डाउनलोड करने के लिए कृपया गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर पर जाएं।

INDIAN RAILWAYS CELEBRATES 10TH INTERNATIONAL YOGA DAY WITH ENTHUSIASM

Indian Railways marked the 10th International Yoga Day with fervor as officers and staff engaged in yoga sessions, emphasizing health and wellness. Here are the event highlights from the yoga sessions.

Union Minister Sh. Ashwini Vaishnaw joined the 10th International Day of Yoga 2024 at Lodhi Garden, New Delhi, celebrating wellness and harmony with numerous participants. The event highlighted the global significance of yoga for physical and mental well-being.

A mass yoga event was organized at Karnail Singh Stadium, Delhi. The chief guest, Mrs. Jaya Varma Sinha, Chairman and CEO of the Railway Board, participated in the yoga session. Members of Railway Board, GM of Northern Railways Mr. Shobhan Chaudhuri, department heads, and employees from various departments joined in a yoga session to commemorate the occasion.

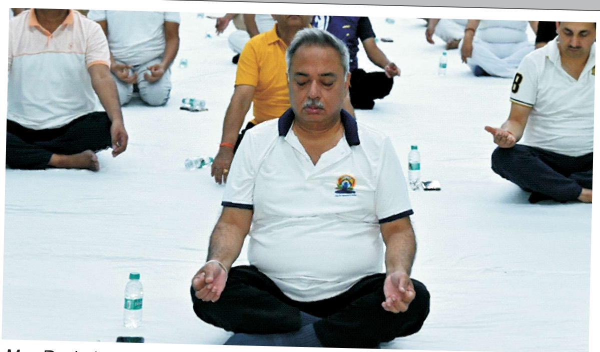

Mr. Ravindra Goyal, General Manager of North Central Railways, inaugurated the 10th International Day of Yoga 2024 at Railgaon Colony, Subedarganj, Prayagraj. He lit a lamp at the Badminton Hall and joined a yoga session to mark the occasion.

General Manager of Northeastern Railways, Ms. Soumya Mathur, marked International Yoga Day by participating in yoga exercises at the Railway Officers Club in Gorakhpur.

Shri Milind Deouskar, General Manager of Eastern Railway, and along with other staff and officers practicing yoga at Eastern Railway Headquarters.

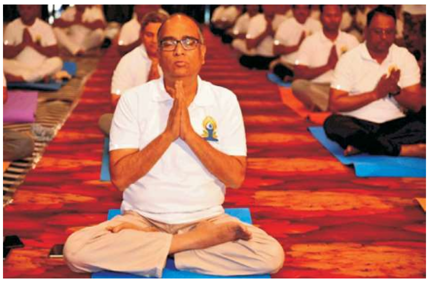

South Western Railway enthusiastically celebrated the 10th International Yoga Day at Chalukya Railway Institute, Gadag Road, Hubballi. Shri Arvind Srivastava, GM of SWR, senior officials, SWRWWO members, Bharat Scouts and Guides, and staff joined in the Yoga and Pranayama session with fervor.

Shri Arun Kumar Jain, GM SCR, graced as chief guest at the 10th Edition of International Day of Yoga at the indoor stadium, RSC grounds. He ceremoniously lit the lamp and joined in the yoga sessions, emphasizing the importance of wellness and harmony.

General Manager of East Central Railways, Mr. Tarun Prakash, and other senior officials practiced yoga under the guidance of a yoga guru at Scout and Guide Den, Sonpur.

Ms. Neenu Ittyerah, General Manager- South East Central Railway, inaugurated a yoga day program by lighting a ceremonial lamp at the New Rail Club, Bilaspur. She actively participated in the yoga session, emphasizing the importance of wellness among railway staff.

Shri Santosh Kumar Jha, CMD/KRCL, and Shri Rajesh M Bhadang, Director (Finance), joined executives and staff in practicing yoga session. The event celebrated a journey towards fostering a healthier body and mind among participants.

General Manager of Southern Railway, Shri R N Singh, and AGM Kaushal Kishore joined a yoga session with employees of Southern Railways.

Shri Ram Karan Yadav, General Manager of Central Railway, Smt. Chitra Yadav, President, CRWWO, and railway staff and officers engaged in a rejuvenating yoga session at Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus.

General Manager, WR Sh. Ashok Kumar Mishra performed yoga asanas at a yoga program organized at Mumbai's Officers' Club, Badhwar Park, along with senior railway officials and employees.

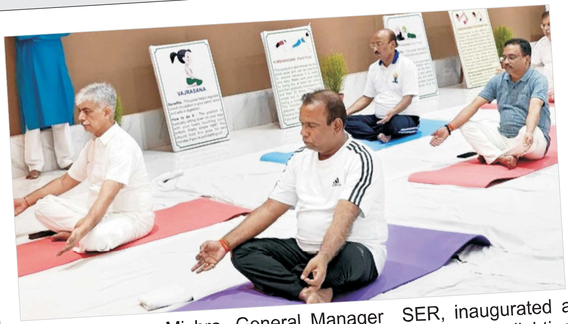

Shri Anil Kumar Mishra, General Manager SER, inaugurated a Yoga Session at the Officers' Club, SER Headquarters, by lighting the lamp. He actively participated in the yoga session, emphasizing the importance of health and well-being for railway personnel.

Shri P. Uday Kumar Reddy, General Manager of Metro Railway, joined Principal Heads of Departments, senior officers, and staff for a Yoga Session at the Officers' Club.

WESTERN RAILWAY RELEASED THE 'SWA-RAKSHA GUIDE':

A WORKPLACE SAFETY GUIDE FOR RAILWAY EMPLOYEE'S

Shri Ashok Kumar Misra, General Manager of Western Railway & Shri Prakash Butani, Additional General Manager of Western Railway along with Principal Head of Departments are seen releasing the 'Swa-Raksha Guide'.

Source/WR- Shri Ashok Kumar Misra, General Manager of Western Railway released the 'Swa-Raksha Guide' a pamphlet compiled by Personnel Department dedicated to workplace safety for railway employees, on 18th June, 2024, at WR's Headquarters at Churchgate.
According to a press release issued by The Chief Public Relations Officer of Western Railway, the 'Swa-Raksha Guide' aims to educate railway employees on crucial safety protocols, including measures for working on tracks, operating Overhead Equipment, and handling electrification especially during the monsoon season. It also covers safety procedures for shunting operations, CPR techniques during medical emergencies and personal safety rules. The guide emphasizes the correct use of Personal Protective Equipment (PPE), safe machinery and tool handling, as well as awareness of potential hazards in railway operations. This initiative underscores Western Railway's commitment to fostering a safer work environment, reducing workplace injuries, and ensuring the well-being of its employees.

CONCOR Signs MoU with ITE Japan for Eco-Friendly Cold Chain Solutions

RSB Report- CONCOR is excited to announce the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) with Innovation Thru Energy (ITE) Japan. This collaboration aims to revolutionize temperature-sensitive cargo transportation with the introduction of ITE's innovative ice battery technology fitted in containers. Trial movements using this technology have already been successfully conducted.
CONCOR is committed to innovation and the development of unique, eco-friendly products to enhance customer satisfaction. This advanced passive cooling technology eliminates the need for diesel-based generator sets to maintain the cold chain during transportation, making it a significant step towards providing environmentally friendly logistics solutions. The ice battery technology ensures the required humidity and freshness for up to 72 hours, making it ideal for transporting temperature-sensitive products.
Mr. Sanjay Swarup, CMD of CONCOR, met with Mrs. Jaya Varma Sinha, Chairman & CEO of the Railway Board, and Mr. Masanori Nagaya, Director of ITE Japan, to discuss these innovative cold chain logistics solutions. The adoption of ITE's patented ice battery technology by CONCOR highlights a new era of sustainable logistics, enhancing the efficiency and reliability of temperature-sensitive cargo transportation.

RailTel Secures IP-MPLS Telecom Order from South Central Railway

RSB Report- RailTel Corporation has been awarded a significant contract by the South Central Railway (SCR) for telecommunication works in the Secunderabad division. The project involves the provision of IP-MPLS (Internet Protocol- Multi-Protocol Label Switching) across 523 Route Kilometres (RKM). The total value of the contract, including taxes, is Rs. 20.22 crore. This development underscores RailTel's expertise and capability in delivering advanced telecom solutions to the railway sector. The implementation of IP-MPLS will enhance the communication infrastructure, providing high-speed, reliable connectivity and supporting critical applications for SCR. This project is part of the ongoing efforts to modernize the railway's communication network, ensuring better operational efficiency and passenger services. RailTel's role in this venture reaffirms its position as a key player in the field of railway telecommunications.

SCAN QR
Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com

Editorial

Safety First—A Call to Passengers

In our rush to reach our destinations, let's not forget the paramount importance of safety. Recent incidents of individuals attempting to board moving trains serve as stark reminders of the dangers involved. Every year, countless lives are endangered or lost due to these reckless actions. Attempting to board or disembark from moving trains is not only against railway regulations but also gravely jeopardizes personal safety. The speed and unpredictability of trains make such acts extremely perilous, often resulting in severe injuries or fatalities. We urge commuters to prioritize safety over haste. Arriving a few minutes late is a minor inconvenience compared to the irreversible consequences of risking one's life. Let's cultivate a culture of patience and responsibility. Respect the rules, wait for trains to come to a complete stop, and prioritize your well-being above all else. Remember, your life is invaluable. Let's make every journey on the rails a safe and secure one.

Chengalpattu Railway Station Redevelopment Under Amrit Bharat Station Scheme at a cost of Rs.22.14 Crores

Source SR- Chengalpattu, as the district headquarters, is home to major industries including Mahindra, Wipro, Samsung, Infosys, Pepsi, TVS, Siemens, RLT Instrumentation, Nissan Renault, and Apollo Tyres. The renowned BMW India plant is also located nearby in Mahindra World City. Prominent tourist destinations such as Mammallapuram (Mahabalipuram), a UNESCO World Heritage Site Thirukazhukundram, Vedanthangal Bird Sanctuary, and Karikili Bird Sanctuary are located near Chengalpattu attracting numerous tourists.
Prominently located in the heart of Chengalpattu, the Chengalpattu Railway Station, is poised for a significant transformation under the Amrit Bharat Station Scheme. The station receives an average footfall of more than 58,000 passengers per day. A critical rail hub situated in the Chennai Egmore – Villupuram section, the station is also a key terminal for Express trains, facilitating travel to Southern Districts. Further, the Chengalpattu – Arakkonam line, essential for commuters, enhances the station's importance, especially as it connects to Chennai and Kanchipuram, the famed temple city known for its silk saris.

Redevelopment of Chengalpattu under Amrit Bharat Station Scheme

As part of the Amrit Bharat Station Scheme (ABSS) , Chengalpattu railway station is undergoing redevelopment at a projected cost of Rs. 22.14 Crores. Key development works planned include:

- Construction of a new station building (G+1)
- Development of a new entrance and porch
- Provision of a new concourse, booking counters, and additional three retiring rooms
- Modification of the existing station building to include an AC Waiting hall, VIP lounge, and retail spaces
- Resurfacing of platform flooring
- Expansion of parking spaces
- Development of pedestrian pathways and circulating area
- Installation of two lifts and an escalator for the existing FOB
- Enhancement of the Passenger Information Display system and Public Announcement system
- Replacement of roofing sheets
- Installation of CCTV systems

Work in Progress:

Significant progress has been made in the redevelopment works under ABSS. Presently, the following works are underway at Chengalpattu station:

- Approach road works, platform paving works- 50% completed.
- Lift works in PF 2, 7 & 8 - 80% completed.
- Re-modelling of existing station building works -20% completed.
- Booking office & pedestrian plaza works are in progress
- Circulating area works are in progress
- Telecom works are in progress

These improvements promise enhanced passenger comfort and a seamless, pleasurable journey for travelers.
Chengalpattu Railway Station's redevelopment under the Amrit Bharat Station Scheme marks a significant milestone in the region's infrastructure development, contributing to the overall growth and connectivity of the area.

हजारों निर्भीक कश्मीर वासियों ने श्रीनगर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- इस वर्ष के योग दिवस का विषय, ''स्वयं और समाज के लिए योग'' था, जिसने योगाभ्यास के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य और आरोग्य को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उत्साहवर्धक शब्दों से प्रेरित होकर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्भीकता से सामना करते हुए हजारों उत्साही कश्मीर वासियों ने श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) के बारिश से भीगे मैदान पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कश्मीर वासियों के उत्साह की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, ''मैंने देखा कि बहुत सी लड़कियां योग मैट से खुद को ढक रही थीं और वे जमीन पर ही रहीं। उनका यह निडर उत्साह और योग के प्रति प्रेम प्रशंसनीय है।''

प्रधानमंत्री ने योग और साधना की भूमि जम्मू-कश्मीर में उपस्थित होने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में योग के माहौल, ऊर्जा और अनुभव को महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ”इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के 50-60 हजार लोगों का योग में भाग लेना अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।'' प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि इस वर्ष की थीम, ''स्वयं और समाज के लिए योग'' है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ाने और सामाजिक सामंजस्य को प्रोत्साहित करने में योग के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालती है। उन्होंने सभी नागरिकों और विश्व भर में योगाभ्यास करने वालों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) सत्र में भाग लिया, जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर जोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्ताव का 177 देशों ने समर्थन किया था। उन्होंने पिछले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी जिक्र किया, जैसे 2015 में कर्तव्य पथ (जिसे पहले दिल्ली में राजपथ के नाम से जाना जाता था) पर 35,000 लोगों ने योग का अभ्यास किया था, और पिछले साल संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योग कार्यक्रम में 130 से अधिक देशों ने भाग लिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित योग प्रमाणन बोर्ड द्वारा भारत में 100 से अधिक संस्थानों और 10 प्रमुख विदेशी संस्थानों को मान्यता

दी गई है। प्रधानमंत्री की अगुआई में आयोजित इस समारोह में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के लिए जम्मू-कश्मीर, विशेष रूप से श्रीनगर को चुनने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने केंद्र शासित प्रदेश की विकास यात्रा को एक नया आयाम दिया है।

सीसीआरएएस-सीएसएमसीएआरआई और सीआईएमएंडएच-चेन्नई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए

सूत्र/रे.स.ब्यू -भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के क्षेत्र को उन्नत बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास के तहत भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन चेन्नई स्थित केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् - कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएसएम सीएआरआई) व तमिलनाडु के चेन्नई स्थित अरुम्बक्कम के भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी आयुक्तालय (सीआईएमएंडएच) के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समारोह 29 जून, 2024 को गिन्डी स्थित कलैगनार सेंटेनरी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में आयोजित किया गया। इस समारोह में तमिलनाडु के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री एम.ए. सुब्रमण्यन और अतिरिक्त मुख्य सचिव व स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव आईएएस श्री गगन दीप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति थी। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) में परीक्षण सेवाओं, प्रशिक्षण प्रदान करने और ''चयनित उच्चतर श्रेणी की औषधियों की तैयारी को लेकर विषाक्तता अध्ययन के मानकीकरण और मूल्यांकन के लिए अनुसंधान अध्ययन'' पर एक सहयोगी परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए एक सहभागितापूर्ण ढांचे की रूपरेखा प्रदान की गई है। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- औषधि के मानकीकरण के उद्देश्य से चयनित कच्ची औषधियों और तैयार उत्पादों का परीक्षण करना।
- सीआईएमएंडएच की प्रयोगशाला को एनएबीएल प्रत्यायन प्रशिक्षण मार्गदर्शन प्रदान करना।
- अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार ”चयनित उच्च स्तरीय औषधियों की तैयारी को लेकर विषाक्तता अध्ययन के मानकीकरण और मूल्यांकन के लिए अनुसंधान अध्ययन” नामक सहभागिता अनुसंधान परियोजना का परिचालन करना, जो कि सीसीआरएएस अनुसंधान नीति के नियमों, शर्तों और दिशानिर्देशों के अनुसार इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का एक अभिन्न अंग है।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक प्रो. रविनारायण आचार्य ने कहा, ”सीसीआरएएस और सीआईएमएंडएच के बीच इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) ने भारत के अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण स्थापित किया है, वे आगे आ सकते हैं और विभिन्न अनुसंधान व विकास गतिविधियों के लिए आयुष मंत्रालय के अधीन सीसीआरएएस के साथ सहयोग कर सकते हैं।''

बी टी सी झांसी में संरक्षा सेमिनार का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू - दिनांक 29.06.24 को एडीईएमई (ओ एंड एफ) झांसी सुनील कुमार शर्मा और सहायक मंडल संरक्षा अधिकारीझांसी की उपस्थिति में बीटीसी/झांसी में स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान ट्रेन के काम करने, असामान्य परिस्थितियों के दौरान कामकाज में प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए निर्देशों और स्वचालित सिग्नल को चालू स्थिति में पारित करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में एक परामर्श सत्र आयोजित किया गया। काउंसिलिंग के दौरान 02 सीएलआई, 04 लोको पायलट, एवं 33 सहायक लोको पायलट उपस्थित रहे।

धर्म

श्री गुरु पूर्णिमा विशेषः जानिए शिष्यों ने गुरु की पूजा के लिए आषाढ़ पूर्णिमा का दिन ही क्यों चुना?

शताब्दियों पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास जी का अवतरण हुआ था। वही वेद व्यास जी, जिन्होंने वैदिक ऋचाओं का संकलन कर चार वेदों के रूप में वर्गीकरण किया था।18 पुराणों, 18 उप-पुराणों, उपनिषदों, ब्रह्मसूत्र, महाभारत आदि अतुलनीय ग्रंथों को लेखनीबद्ध करने का श्रेय भी इन्हें ही जाता है। व्यास जी के लिए प्रसिद्ध है- व्यासोच्छिष्टम् जगत सर्वम् अर्थात ऐसा कोई विषय नहीं, जो महर्षि वेद व्यास जी का उच्छिष्ट या जूठन न हो। ऐसे महान गुरुदेव के ज्ञान-सूर्य की रश्मियों में जिन शिष्यों ने स्नान किया, वे अपने गुरुदेव का पूजन किए बिना न रह सके। अब प्रश्न था कि पूजन किस शुभ दिवस पर किया जाए। एक ऐसा दिन जिस पर सभी शिष्य सहमत हुए, वह था गुरु के अवतरण का मंगलमय दिवस। इसलिए उनके शिष्यों ने इसी पुण्यमयी दिवस को अपने गुरु के पूजन का दिन चुना। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। तब से लेकर आज तक हर शिष्य अपने गुरुदेव का पूजन-वंदन इसी शुभ दिवस पर करता है। इतिहास के सभी संतों, महापुरुषों और गुरुओं ने भी यही मत रखा है। संत दादू दयाल जी कहते हैं- जब मुझे श्री सद्गुरु मिले, तो उन्होंने मुझे ज्ञान-दीक्षा का प्रसाद दिया। दीक्षा के समय ही गुरुदेव ने मेरे मस्तक पर अपना हाथ रखा और मुझे वह अगम-अगाध ईश्वर दिखा दिया। संत पलटू साहिब जी कहते हैं- जिस शिष्य ने अपने सद्गुरु की कृपा से दिव्य प्रकाश का अनुभव कर लिया, समझो उसी की दीक्षा प्रमाणित है। जिसके सभी भीतरी पट यानी दिव्य दृष्टि खुल गई, उसी का ज्ञान पूर्ण है। संत कबीर जी भी अपनी वाणी में यही उद्घोष करते हैं कि सद्गुरु आदि नाम के दाता हैं। शिष्य में इस अव्यक्त नाम को प्रकट कर वे (आध्यात्मिक) हृदय में ही ईश्वर का दीदार करा देते हैं। ज्ञान-दीक्षा मिलने पर अंतर्जगत में कोटि-कोटि चाँद और सूरज का प्रकाश चमकने लगता है। उसकी तुलना में बाहरी जगत का देदीप्यमान सूरज और उसका प्रकाश भी कुछ नहीं।

भ्रामक डिजाइन का उपयोग करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019 के ''अनुचित व्यापार व्यवहार'' के अधीन आते हैं: सचिव

सूत्र/रे.स.ब्यू- उपभोक्ता मामले विभाग ने नई दिल्ली में ''दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए डार्क पैटर्न और रणनीतियां'' विषय पर आयोजित एक संवादात्मक सत्र में हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य डार्क पैटर्न से संबंधित मुद्दों, ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर भ्रामक डिजाइनों के उपयोग के निरंतर अभ्यास और डार्क पैटर्न पर दिशानिर्देशों को लागू करने के प्रभावी तरीकों पर विस्तार से चर्चा करना था। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव श्रीमती निधि खरे ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को डार्क पैटर्न का उपयोग करने के खिलाफ सचेत किया। उनका कहना था कि यह ''अनुचित व्यापार व्यवहार'' की प्रेति का कार्य है और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करता है। ऐसे भ्रामक डिजाइनों का उपयोग करने से बचने या उपयोगकर्ता इंटरफेस जैसे कि- उपभोक्ता प्रतिक्रिया पर विश्वास करना, उपभोक्ता संतुष्टि, पुनरावृत्ति उपयोगकर्ता दर, इन-बिल्ट एप/फीचर्स का उपयोग करने में सुधार करने के विभिन्न तरीके सुझाए गए, जिससे उन पैटर्न की पहचान की जा सके, जो दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं हैं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म द्वारा ऐसे निर्दिष्ट डार्क पैटर्न का स्व-लेखा परीक्षण किया जा सके। आईआईटी, बीएचयू के सहयोग से एक अग्रणी पहल- डार्क पैटर्न बस्टर हैकाथ न (डीपीबीएच-2023) का उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से 15 मार्च, 2024 को सफलतापूर्वक समापन किया गया था। डीओसीए की ओर से 26 अक्टूबर, 2023 को चार दौर का हैकथ न शुरू किया गया, जो भ्रामक ऑनलाइन अभ्यासों से निपटने की दिशा में एक निरंतर प्रयास है। हैकथॉन का उद्देश्य अभिनव एप या सॉफ्टवेयर आधारित समाधानों जैसे कि-ब्राउजर एक्सटेंशन, प्लगइन्स, ऐड-ऑन, मोबाइल एप्लिकेशन आदि जो ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के लिए डार्क पैटर्न के उपयोग, प्रकार और पैमाने का पता लगा सकते हैं, को डिजाइन और प्रोटोटाइप करना था। डीपीबीएच-2023 में पूरे देश से उल्लेखनीय भागीदारी देखी गई। इस पहल में 150 से अधिक कॉलेज शामिल हुए। ये सत्र हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए थे। इनमें आईआईटी, बीएचयू जैसे विभिन्न हितधारकों और ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन, जोमैटो, इजमाईट्रिप, अर्बन कंपनी, उबर, क्रेड आदि के उद्योग प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि के तहत आज के संवादात्मक सत्र में आईआईटी, बीएचयू के छात्रों की एक टीम द्वारा एक प्रदर्शनात्मक वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें विकास चरण के अधीन उनके एक्सटेंशन टूल के यूज-केस को रेखांकित किया गया।

DELHI METRO RAIL ACADEMY (DMRA) RECEIVES DUAL RECOGNITION FROM THE NATIONAL COUNCIL FOR VOCATIONAL EDUCATION & TRAINING (NCVET)

Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Academy (DMRA), India's first state-of-the-art training facility for Metro Rail professionals, has been granted dual recognition by the National Council for Vocational Education & Training (NCVET) as both an Awarding Body and an Assessment Agency.

NCVET is a regulatory body, responsible for regulating and standardizing the qualifications and assessment processes for vocational education and training in India. NCVET aims to ensure high-quality education and training programs that meet the needs of the industry and contribute to the nation's skill development initiatives. The NCVET recognition signifies that DMRA meets the highest standards for delivering approved training programmes as per the National Skill Qualification Framework (NSQF) and conducting rigorous assessments as per the National Credit Framework (NCrF). As an Awarding Body, DMRA is now recognized for developing, delivering, and certifying vocational training programmes, ensuring that trainees receive qualifications that are nationally recognized and valued across the industry. Additionally, as an Assessment Agency, DMRA is entrusted with the responsibility of evaluating and certifying the competencies of professionals. The Delhi Metro Rail Academy (DMRA) is a premier training institute dedicated to the development of skilled professionals in the Metro rail industry. Established by DMRC, the academy offers comprehensive training programs encompassing various aspects of Metro rail operations, maintenance, and management. DMRA can accommodate over 900 trainees on a given day and is equipped with state-of-the-art facilities and experienced faculty. DMRA provides hands on training and theoretical knowledge to both new recruits and existing staff of DMRC as well as other Metros including overseas through a number of specially curated programmes. Over the years, DMRA has successfully trained more than 70,000 trainees of DMRC and over 4,000 trainees from other Metros in India & abroad. Professionals from various other Metro systems in India such as Mumbai, Bangalore as well as Dhaka in Bangladesh have undergone training here.

The Academy is ISO 9001:2015 certified for design, development and delivery of training programmes. The Delhi Metro Rail Academy (DMRA) has also been accredited under the prestigious Capacity Building Commission's (CBC) National Standards and these certifications & accreditations validate DMRA's exceptional training methodologies, cutting-edge resources, world-class infrastructure, and unwavering dedication to fostering an environment of domain expertise.

A 130 m long 'Make in India' steel bridge has been launched over Delhi-Mumbai National Expressway for Bullet Train Project

Source/NHSRCL- National High Speed Rail Corporation Limited has successfully launched another steel bridge of 130m length on 23rd June 2024. The steel bridge was launched over Delhi-Mumbai National Expressway near Vadodara in Gujarat for Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The bridge launching was completed within 24 hours with intermittent breaks to allow road traffic to pass.

This 3000 MT of steel bridge of 18m in height and 14.9m in width has been fabricated at the workshop in Wardha, Maharashtra and was transported on trailers to the site for installation. It requires tremendous efforts to pull such a heavy girder which is likely to be the longest over any national highway in the country.

The bridge fabrication utilized approximately 124,246 Nos. of Tor-Shear Type High Strength (TTHS) bolts with C5 system painting and metallic spherical bearings, all designed for a 100-year lifespan. The steel bridge was assembled at the site at a height of 15m from the ground on temporary trestles and was pulled with automatic mechanism of 2 number of semi-automatic jacks, each of capacity of 250 ton using mac-alloy bars.

The project is being executed meticulously, maintaining the utmost standards of safety and engineering excellence. Leveraging Japanese expertise, India is increasingly utilizing its own technical and material resources to build infrastructure under the "Make in India" initiative. The steel bridge for the Bullet Train Project is a major example of this effort.

This is the third out of the 28 steel bridges completed for the corridor. The first and second steel bridge was launched across National Highway 53, in Surat and over Vadodara-Ahmedabad main line of Indian Railways, near Nadiad in Gujarat respectively.

Steel bridges are most suitable to cross Highways, Expressways and Railways lines, unlike pre-stressed concrete bridges, spanning 40 to 45 meters, which are suitable for most sect-ions, including river bridges.

India has the expertise of fabricating steel bridges for heavy haul and semi high-speed trains which run between 100 and 160 kmph. Now, the same expertise in fabrication of steel girders is implemented on Bullet Train corridor too which will have a staggering operational speed of 320 kmph.

Minister of Railways Ashwini Vaishnaw Assesses Rath Yatra 2024 Arrangements at Puri Railway Station

RSB Report- On June 30, 2024, Minister of Railways Ashwini Vaishnaw conducted a comprehensive inspection of Puri Railway Station to evaluate the arrangements put in place for the upcoming Rath Yatra 2024, aimed at enhancing convenience for pilgrims and devotees. Expressing his vision, Minister Sh. Ashwini Vaishnaw emphasized the Railways' commitment to facilitate seamless travel for approximately 15 lakh passengers traveling to & from Puri during this auspicious occasion. Highlighting innovation, he announced the deployment of Special Trains using an AI-based dynamic Scheduling System to ensure efficient and timely transportation. Minister Sh. Vaishnaw commended the proactive efforts of railway officials and staff in preparing for the Rath Yatra, underscoring the importance of safety, comfort, and accessibility for every traveler. He assured continued vigilance and readiness to address any challenges, reaffirming the Railways' dedication to serving the nation with excellence.

Shri Hari Mohan Gupta Appointed CMD of IRCON

RSB Report- Shri Hari Mohan Gupta has been appointed as the new Chairman & Managing Director (CMD) of IRCON International Limited. Prior to this prestigious role, Sh. Gupta served as the Director (Infrastructure) at Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited (DFCCIL). An Indian Railway Officer from the 1989 batch, he brings over three decades of diverse experience in the railway sector. His career includes holding various key positions that have enriched his expertise in infrastructure development & project management. With his extensive background and proven leadership, Sh.. Gupta is expected to drive IRCON's growth and innovation, ensuring the company's continued success in national and international projects. His appointment is seen as a strategic move to bolster IRCON's capabilities and reinforce its position as a leading construction and infrastructure company globally.